OM - 12 - 2021 FINAL FILE_Page 1 and 2 25/08/2021 11:31 AM Page 4

दिल्ली-पाण्डव भवन। केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री,भारत सरकार तथा महाराष्ट्र राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री नारायण राणे को उनके दिल्ली स्थित निवास स्थान पर रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. सविता दीदी। इस अवसर पर ब्र.कु. शिवानी बहन, ब्र.कु. कमल भाई तथा ब्र.कु. डॉ. दीपक हरके उपस्थित रहे।

इंदौर-म.प्र.। ओमप्रकाश भाईजी सभागृह में इंदौर ज़ोन की कुमारियों के लिए आयोजित भट्‌टी कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्‌घाटन करते हुए मुख्य क्षेत्रीय समन्वयक ब्र.कु. हेमलता दीदी, जबलपुर कटंगा कॉलोनी सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. विमला दीदी, कोटा सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. उर्मिला बहन, ब्र.कु. प्रेमलता बहन, ब्र.कु. अनिता बहन, खण्डवा सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शक्ति बहन तथा ब्र.कु. उषा बहन।

दिल्ली-मानस कुंज। उत्तर भारत के गांव की सबसे बड़ी 360 की खाप के प्रधान नियुक्त होने पर चौधरी सुरेन्द्र सोलंकी को स्थानीय ब्रह्माकुमारी सेवाकेन्द्र पर ब्र.कु. शक्ति बहन तथा ब्र.कु. सुदेश बहन द्वारा सम्मानित किया गया एवं रक्षासूत्र बांधा गया।

फतेहाबाद-हरियाणा। वैष्णो देवी मंदिर में पौधारोपण करते हुए मंदिर की प्रधान बहन मंजू चोपड़ा, ब्र.कु. मोहिनी बहन, ब्र.कु. संगीता बहन तथा अन्य।

रूपबास-भरतपुर(राज.)। सीनियर डॉ. शैलेन्द्र श्रीवास्तव,हड्‌डी रोग विशेषज्ञ, डॉ. अभिषेक, श्रीमति अनीता वर्गीश तथा समस्त नर्सिंग स्टाफ के साथ वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका ब्र.कु. कविता दीदी तथा ब्र.कु. बबिता दीदी।

बारडोली-रामनगर(गुज.)। बारडोली के टी.डी.ओ. नटुभाई बोरिचा को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. अरुणा बहन।

कर्मों का खेल कोई समझ नहीं सकता...

- ब्र.कु. उषा,वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

ये जो कर्मों की गुह्य गति है ना वो कोई भी समझ नहीं सकता। मान लो एक व्यक्ति कसाई है और कसाई एक जानवर को मारता है। अब उसने जानवर को मारा उसने तो पाप कर्म किया। उसने तो माँस को बेचा एक दुकान वाले को। तो दुकानदार भागीदार बन गया। दुकान वाले ने मान लो होटल वाले को बेचा तो होटल वाला भागीदारी में आ गया। अब होटल में कोई फंक्शन है और वहाँ पचास लोग भोजन खाते हैं और उस माँस को भी खाते हैं, तो वो पचास लोग उस और भागीदारी में जुड़ जाते हैं। इसीलिए जब उस कर्म का सेटलमेंट करने का समय आता है, वो पचास जहाँ इक्ट्ठे होते हैं, वो संजोग जो बनता है तभी कर्म का सेटलमेंट होने लगता है।

कैसे होता है कि वही जानवर दूसरे जन्म में पुनः अपनी उसी योनि में जाता है। इसी तरह मनुष्य भी अपनी योनि में मनुष्य ही बनता है। और वो कसाई मान लो कि दूसरे जन्म में एक बस का ड्राइवर बना और बस का ड्राइवर बन करके वो बस चलाता है और बहुत स्पीड से जा रहा है फिर वही जानवर बहुत स्पीड से दौड़ता हुआ आता है रास्ते में अचानक और उसको बचाने के लिए ड्राइवर अपना बैलेंस खो देता है और कई बार हम देखते हैं कि बस ब्रीज पर थी और वो बस दीवार तोड़ कर नीचे नदी में गिरती है और जो भी लोग उसमें होते हैं वो घायल हो जाते हैं। तब सभी कहते हैं कि एक ड्राइवर की गलती से पचास पैसेंजर जो बैठे थे उनको फल भोगना पड़ा, नहीं। वास्तव में ये सभी उस कर्म के भागीदार थे। इसीलिए सेटलमेंट करने का समय आया तो वही जानवर उसका हिसाब लेता है लेकिन ये कर्मों की गति बहुत गुह्य है जिसको समझ पाना बहुत मुश्किल है।

जो पचास लोग बैठे थे वो वही थे जिसने उस जानवर का माँस खाया था उस होटल में। आश्चर्य की बात लगेगी। लेकिन जिसका हिसाब नहीं था मान लो उस कर्म के भागीदारी में हिसाब नहीं था तो ऊपर से बस गिरने के बाद भी उसको खंरोच तक नहीं आती है। जो उस कर्म के भागीदारी नहीं हैं वो कुछ कारण से बस को मिस कर देता है। किसी कारण घर से लेट हो गया तो बस मिस हो गई। जो उस कर्म के भागीदारी नहीं है वो अगले स्टॉप पर उतर गया। लेकिन वो जो बैठे थे, जो घायल हुए वो वही थे जो उस कर्म की भागीदारी में जुटे हुए थे।

इंसान जो कर्म करता है उसका फल उसको भोगना ही पड़ता है। चाहे अच्छा कर्म करो उसका भी फल मिलता है और जो बुरा कर्म करता है उसका भी फल भोगना ही पडता है। कई बार भागीदारी सिर्फ दो व्यक्तियों के बीच में भी हो सकती है। कई बार भागीदारी ज़्यादा लोगों के बीच में भी होती है। और वही सब जब संजोग आता है तब वो होनी, होनी ही होती है। उस होनी को कोई टाल नहीं सकता। इसीलिए कहा जाता कि होनी को कोई चेंज नहीं कर सकता।

ये इसीलिए कहा गया है कि मनुष्य जब फल भोगता है तो उस समय पता ही नहीं चलता कि कैसे फल मिलना है। लेकिन मनुष्य जो कर्म करता है उसका फल आज नहीं तो कल मिलना ही है। उसको कोई टाल नहीं सकता। इसीलिए हमें अपने जीवन में जैसे कहते हैं ना फूंक-फूंक कर कदम रखना, बस वैसे ही हमें अपने कर्मों पर ध्यान देना है।

मुम्बई-विले पारले। विख्यात फ़ोर्ब्स मैगज़ीन ने डॉ. ब्र.कु. दीपक हरके और डॉ. ब्र.कु. सुवर्णा द्वारा भारत के प्राचीन राजयोग के प्रचार और प्रसार के लिए किए गए कार्यों को स्थान दिया है। इस मैगज़ीन की कॉपी फिल्म अभिनेत्री मनीषा कोईराला को भेंट करते हुए डॉ. ब्र.कु. दीपक हरके तथा डॉ. ब्र.कु. सुवर्णा। मौके पर वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. क्रीना दीदी उपस्थित रहीं।

ब्यावरा-म.प्र.। हरियाली पर्व के उपलक्ष्य में वृक्षारोपण करते हुए एस.डी.एम. जूही गर्ग, पूर्व विधायक नारायण सिंह पवार, पंडित आचार्य सतीश नागर, ब्र.कु. तेजस्वी बहन, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष राधे कृष्ण बडोनी तथा अन्य गणमान्य लोग।

ओम शान्ति मीडिया सदस्यता हेतु सम्पर्क करें....

कार्यालय - ओम शान्ति मीडिया

संपादक - ब्र.कु. गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी,
पोस्ट बॉक्स न - 5, आबू रोड (राज.) 307510
सम्पर्क- - 9414006096, 9414182088,
Email-omshantimedia@bkivv.org

सदस्यता शुल्क : भारत - वार्षिक 200 रूपये, तीन वर्ष 600 रूपये,
कृपया सदस्यता शुल्क 'ओम शान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शांतिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

For Online Transfer
SBI ACCT. NO. - 30826907041
IFSC - CODE - SBIN0010638
सूचित अवश्य करें...